पाठ 12. संगठन

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को घमंड न करने और एक साथ मिल-जुलकर रहने की सीख देना है। छोटी से छोटी वस्तु भी मूल्यवान और महत्वपूर्ण होती है। हमें किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए। एकता में ही बल होता है। इस प्रकार एकजुटता और संगठन का महत्त्व बताते हुए सहयोग की भावना विकसित करना ही पाठ का मुख्य उद्देश्य है।

पाठ का सारांश

एक मैना थी। एक बार मैना के घोंसले को घमंड हो गया कि वह मैना और उसके अंडों को रहने की जगह देता है। गरमी और बारिश से रक्षा करता है। एक दिन मैना से घोंसला अकड़कर कहता है कि मैना रानी तुम और तुम्हारे बच्चे मेरी ही दया पर यहाँ मज़े से रहते हो। अगर मैं तिनके इधर-उधर बिखेर दूँ तो तुम सब बेघर हो जाओगे। उसके बाद मैना ने कहा– "भाई घोंसले, बात तो तुम ठीक कह रहे हो, लेकिन यदि तुम अपने तिनके इधर-उधर बिखेर दोगे तो स्वयं ही मिट जाओगे।" फिर मैना ने घोंसले को समझाया कि जिन तिनकों से तुम बने हो, ये पहले ज़मीन पर बिखरे पड़े थे। मैंने ही एक-एक तिनका चुनकर घोंसले का रूप दिया। अगर मैं न बनाती तो तुम्हारा यह रूप नहीं होता। इसलिए तुम्हारा घमंड करना व्यर्थ है। मैना की बात सुनकर घोंसले को अपनी भूल समझ आई और उसने माफ़ी माँगी। उसके बाद वे सब मिलकर संगठन की भावना से रहने लगे।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व **पहले पहल** में दी गई गतिविधि बच्चों से करवाएँ। उनसे एकता और संगठन के महत्त्व पर चर्चा करें। उनसे पूछें– क्या वे अपनी कक्षा में सबके साथ मिल-जुलकर रहते हैं? ज़रूरत पड़ने पर एक-दूसरे का सहयोग करते हैं? अगर उनका कोई मित्र लंच लाना भूल जाता है तो क्या वे उनके साथ अपना लंच साझा करते हैं? पक्षी और घोंसला किस तरह एक-दूसरे का सहयोग करते हैं? आदि। अब पाठ का सस्वर वाचन करें तथा बच्चों से भी करवाएँ।
बच्चों से पूछिए और समझाइए–

- ❖ क्या उन्होंने कभी किसी की मदद की है?
- ❖ क्या उन्हें कभी किसी बात का घमंड हुआ है?
- ❖ घमंड करने से क्या होता है?
- ❖ इस कहानी से उन्हें क्या सीख मिली?
- ❖ बच्चों को बताएँ कि पेड़-पौधे हमें फल, फूल, अनाज, ऑक्सीजन आदि देते हैं और उसके बदले हमें उनकी देखभाल करनी चाहिए।
- ❖ उन्हें बताएँ कि एकता में बल होता है और एकता के साथ रहने पर कोई उनका फ़ायदा नहीं उठा सकता।
- ❖ उन्हें बताएँ कि घमंड न करना और सबको सम्मान देना अच्छी आदत होती है।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।